JSC-8-HI

मसीह के न्याय आसन के सामने आपको क्या प्रतिफल और न्याय मिल सकता है - प्रोग्राम 8

अनाऊंसर: वचन में विश्वासियों से कहा गया है, कि हम सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने जाना होगा, लेकीन इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए पूरा दाम नही चुकाया और परमेश्वर उन्हें फिर स्मरण नही करता?

यदि ऐसा है तो फिर विश्वासियों का न्याय मसीह के द्वारा क्यों होगा? इस न्याय का उद्धार से कोई संबन्ध नही है/ उद्धार तो पूरी तरह से परमेश्वर का मुफ्त का वरदान है, जिस पल कोई मसीह में विश्वास करता है वो इसे उसी पल पाता है/

लेकिन मसीह के न्यायआसन का संबन्ध इससे है कि उसने हमें उद्धार देने के बाद हम मसीह के लिए कैसे जीए, मसीह के लिए हम ने जो भी किया उसका मुल्यांकन कर प्रतिफल दिया जाएगा/

बाइबल कहती है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने प्रकट होना होगा, कि हरकोई जिसे जो मिलना चाहिए वो पा सके, जो उन्होंने शरीर में किया था, चाहे भला या बुरा हो/

हम समझ सकते हैं कि हम ने जो उसके लिए भला किया है उसका प्रतिफल हम पाएगे, लेकिन इसका क्या अर्थ है जब बाइबल कहती है कि हम ने जो बुरा किया है उसका भी हम प्रतिफल पाएगे? क्या अविश्वासयोग्य विश्वासी विश्वासयोग्य विश्वासी जैसे प्रतिफल नही पाएगे?

लेकिन क्या मसीह के न्याय आसन के सामने आँसू होंगे? क्या प्रतिफल, आदर और सौभाग्य खो दिए जाएंगे, जो स्वर्ग में पुरे अनंतकाल तक हमारे स्थर को निश्चित करेगा?

बाइबल से इन सवालों का जवाब देने में मदत करने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉ/ अरविन लुथजर हैं, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर, शिकागो, इलेनॉय से, हम इस बात को देखेंगे कि जब यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने आपके जीवन का मुल्यांकन करेगा तो क्या पाएगा/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, इन सारे प्रोग्राम में हम सामान्य रूप में केवल एक बात के बारे में कह रहे हैं, जिस पल आप मसीह के न्याय आसन के सामने प्रगट होंगे, जब आप अपने उद्धारक की आँखों में देखेंगे, जब वो आपके जीवन का मुल्यांकन करेगा, तो वो क्या देखेगा, इस सिरीज़ में मेरे मेहमान हैं, डॉ. अरविन लुथजर, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर हैं, शिकागो इलेनॉय में/ और ये इन महत्वपूर्ण पल के बारे में बताते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, ये अद्भुत सच्चाई है, मतलब कल्पना कीजिए कि यीशु मसीह की आँखों में देखते हैं, एक एक करके, और वो उन सारी बातों का मुल्यांकन करेगा, हमारे विश्वास में आने के बाद से, और बाइबल यही सिखाती है, कि हम मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होंगे, जानते हैं ग्रीक शब्द है बिमा, और इसका कारण ये है कि ये एक ऊँचे मंच जैसे है जिस पर ग्रीक या रोमी खड़े होते थे, जहाँ पर जय अवार्ड देते थे उन लोगों को रेस में और दूसरी चीजों में जीतते थे/

और प्रेरित पौलुस कहता है जैसे हम दूसरा कुरिन्थियों अध्याय 5 में देखेंगे, कि हम सब मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होंगे, वो विश्वासियों के बारे में कहता है, वो अपने बारे में कहता है, वो आपके और मेरे बारे में कहता है, और बहुत से विश्वासियों में ये विचार है, क्योंकि यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मरा, और किसी तरह से बिना मुल्यांकन के हम स्वर्ग में चले जाएगे, और बाबिल बहुत स्पष्ट है, कि यीशु मसीह हमारा मुल्यांकन करेगा, एक एक करके/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब वचन से हम अद्भुत बात सीखते हैं, कि प्रभू हमें अनुग्रह से बचाने के बाद, वो हमसे प्रतिज्ञा करता है कि हम मसीह के लिए जो भी काम करते हैं उसके लिए वो हमें प्रतिफल देगा, परमेश्वर कई बहुत प्रतिज्ञाओं के बाद भी, कुछ लोग अभी भी पूछते हैं, क्या मसीह से प्रतिफल पाने की इच्छा से जीना स्वार्थी होना नही है? दो. लुथजर इस महत्वपूर्ण सवाल का जवाब देते हैं, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, जॉन, जब मैं इसे सुनता हूं तो हंसता हूं, हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं इसलिए उसकी सेवा करें न कि प्रतिफल के लिए, ये बहुत धार्मिक सुनाई देता है, जी अवश्य ही परमेश्वर हमारी आराधना और सेवा के योग्य है, चाहे प्रतिफल मिले या न मिले, प्रतिफल का विचार हमारा नही है, पिता हमें

प्रतिफल देने से खुश होता है, और ये पिता का विचार है कि वो हमें आशीष देगा, इसलिए ने नियम में बहुत से याने पुराने और नए नियम में, ये प्रतिफल से प्रोत्साहित हुए, देखिए हम परमेश्वर के पास किसी स्वार्थ से ही आए थे, लेकिन आज मैं आप से पूछता हूं, क्या ये गलत है कि आप मसीह को प्रसन्न करना चाहते हैं इसलिए परमेश्वर की सेवा करते हैं, मैं आशा करता हूं कि आप जानते हैं कि उसे प्रसन्न करना महत्वपूर्ण है, और अब मैं इसके बारे में सोचता हूं जॉन, कल्पना कीजिए कि यीशु की आँखों में देखते हैं/ मैं उससे अच्छा किया सुनना पसन्द करता हूं/

और प्रेरित पौलुस कहता है और ये बहुत महत्वपूर्ण वचन है, मैंने पहले भी इसे बताया है, लेकिन चलिए इसे पढ़ते हैं ताकि हम इसे समझ सके, इसे अच्छे से समझ सके, जब वो कहता है दूसरा कुरिन्थियों अध्याय 5 वचन 10 में, कि हम मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होंगे, वो कहता है इस कारण हमारे मन की उमंग यह है कि चाहे साथ रहे चाहे अलग रहे, पर हम इसे भाते रहेऔर फिर वो कहता है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े रहना होगा/

और खैर, बात ये है, ये कहने के बाद, वो वचन 11 में कहता है, इसलिए प्रभू का डर मानकर हम लोगों को समझाते हैं, और बहुत से लोग इसे देखकर कहते हैं प्रेरित पौलुस अविश्वासीयों के बारे में कह रहा होगा, लेकिन इस सम्दर्भ में वो हमारे बारे में कह रहा है, अब हम बहुत समय बिताएँगे कि इसे संतुलित रखे और ये जाने कि मसीह का न्याय आसन ऐसा नही है जिससे हमें डरना चाहिए, लेकिन कुछ भी हो युहन्ना कहता है कि हमें इस तरह से जीना चाहिए, कि हम उसके आगमन में शर्मिंदा न हो/

मैं तो बस यही कह रहा हूं, प्रतिफल के द्वारा प्रोत्साहित होना गलत नही है, जब तक कि हम जानते हैं, मुख्य प्रतिफल तो मसीह से स्वीकृति पाना है, कि उसे प्रसन्न करें, अब इसे ध्यान में रखते हुए वचन में देखिए कि कैसे लोग प्रतिफल के द्वारा उत्साहित होते हैं, यीशु प्रोत्साहित हुआ, क्यों? जो आनंद उसके सामने रखा था उसने क्रूस को सह लिया/

अब्राहम के बारे में क्या उसने उस नगर को देखा जिसकी बुनियाद थी, जिसका रचेता और बनानेवाला परमेश्वर है, इब्रानियों के अध्याय 11 के बारे में क्या? मूसा का आदर किया गया क्योंकि उसने आनेवाले प्रतिफल की अपेक्षा की थी, पौलुस कहता है कि मैं दौड़ता हूं और सत्य को थामे रहता हूं, कि मेरा दौड़ना व्यर्थ न हो, याने इस सभी कारणों के लिए हमें प्रोत्साहित होना है कि हम अच्छा करें, मुझे जोनाथन एडवर्ड महान थियोलोजीयन की बात पसंद है, उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा यही है कि इस जीवन में विश्वासयोग्य होकर

भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा ख़ुशी हासिल कर सके, ये स्वार्थी होकर कहना नही, वो यीशु को खुश करना चाहते थे, आशा है आप भी यही चाहते हैं, और ये आपकी प्रेरणा हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब चलिए मैं आप से सवाल पूछता हूं, क्या आप सोचते है कि आपको मसीह से प्रतिफल मिलेगा जब आप उसके सामने खड़े होंगे? कुछ लोगों को लगता है कि उन्हें कुछ नही मिलेगा, यदि आप ये महसूस करते हैं, आये सोचते हैं, तो ये आपके लिए प्रोत्साहन का वचन है, ध्यान से सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: देखिए यीशु ने स्पष्ट रूप में सीखाया है कि प्रभू के राज्य में कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में बड़ी जगह मिलेगी, हमारी ज्यादा जिम्मेदारी हैं, कुछ लोगों को ये सौभाग्य दिया गया/ इस समय जॉन मैं उन से बात करना चाहता हूं जो ये समझते हैं कि वो जो भी कर रहे हैं, उसका कोई भी महत्व नही है/ मेरे प्यारे दोस्तों आप एक राजा के बेटे या बेटी हैं, आप उसके हैं और वो आपकी ओर ध्यान देता है, वो कहता है कि तुम्हारे बाल भी गिने हुए हैं, वो चिडिया का गिरना देखता है, उसके नाम में दिए गए एक ग्लास पानी को देखता है, याने जिसे आप आज या कल काम शुरू करते हैं, तो इस बात के बारे में सचेत रहिए कि परमेश्वर देख रहा है, और वो हमारे कामों को लिख रहा है कि हमें उदारता से प्रतिफल दे सके/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जानते हैं मसीही जीवन जीने में कईबार हमें काम और अवसर दिए जाते हैं, जो चमकदार नही हैं, लेकिन वो तो बहुत निचली हैं और करने में हम समहत नही होते, हम उन्हें करके आनंद नही उठाते, यदि आप अभी प्रभू की सेवा कर रहे हैं और उससे बहुत आनंद नही पा रहे हैं, क्योंकि आपका काम इसी तरह का है, तो ये अगला वचन आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, जॉन मैं सोचता हूं कि हम सबको ऐसे काम के लिए बुलाता जिसका हम आनंद नही उठाते, वो लोग भी जिनकी सेवकाई है, ये तो उस काम का एक भाग है, मैं सोचता हूं कि कईबार हम करना है इसलिए करते हैं, जानते हैं यीशु ने एक दृष्टांत बताया कि एक गुलाम था जिसने स्वामी की आज्ञाभंग करने का चुनाव किया और पश्चाताप किया, और वही किया जो स्वामी चाहता था, और यीशु ने कहा ये गुलाम तो उससे बेहतर है जो जाता ही नही है, और फिर उसने कहा, जब हम अपना काम करते हैं, तो भी हम व्यर्थ सेवक हैं/

सच में जॉन मैं इसे इस तरह सोचना चाहता हूं, संभव है कि हम वो करे जिसके करने में आनंद नही आता, लेकिन यीशु की महिमा के लिए उसे करते हैं तो शायद हम महान प्रतिफल पाएगे, जो काम करना हमें पसंद है उस करना आसान हैं, लेकिन हम जो नही करना चाहते वही परमेश्वर चाहता है, यदि हम उसकी महिमा के लिए इसे अच्छे से करते हैं, मैं सोचता हूं वो उसके ध्यान को आकर्षित करता है, और वो बदले में हमें खास प्रतिफल देता है/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब सुनिए, यदि आप विश्वासी हैं तो आप किसी दिन मसीह के न्याय आसन के सामने सही करने की कोशिश करेगे, ठीक है, यदि ऐसे हैं तो मैं आपको बताता हूं कि बाइबल हमें इन बातों के बारे में बताती हैं, परमेश्वर चाहता है कि जब आप स्वर्ग में जाए तो प्रतिफल पाए, और जब कि आप यहाँ पृथ्वी पर हैं तो अब क्या करना चाहिए, कि महान प्रतिफल पाए, मसीह किस तरह के प्रतिफल की प्रतिज्ञा करता है जब वो आपके जीवन का मुल्यांकन करता है, प्रेरित पौलुस हमें बताता है कि हमें क्या करना चाहिए जब वो हमें एथलीट का उदाहरण देता है ओलंपिक्स से डॉ. लुथजर बताते हैं कि प्रेरित पौलुस क्या कहता है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं जॉन, यदि प्रेरित पौलुस आज जीवित होता तो वो यही करता, वो ओलंपिक्स के बारे में कहता वो खेल के बारे में अक्सर कहता है क्योंकि मुद्दे को नही चूकना है, जिस तरह के अनुशासन अच्छा खिलाडी बनता है उसी तरह से अच्छा विश्वासी बनता है, और वो यहाँ कहता है पहला कुरिन्थियों अध्याय 9 में, वो कहता है कि क्या तुम नही जानते कि दौड़ में तो सब ही हैं परन्तु इनाम एक ही ले जाता है, तो तुम वैसे ही दौड़ों कि जीतो, आप और मैं जिस दौड़ में हैं, ये ऐसी है जिसे सब जीत सकते हैं, ये अलग तरह की दौड़ है/

लेकिन वो कहता है, हर एक पहलवान सब प्रकार का संयम करता है, ये शब्द प्रतियोगिता ग्रीक में अर्थ है पीड़ा से जाता है, 12 ये शब्द प्रतियोगिता याने ग्रीक में पीड़ा है, हम इस पर कुछ पल में चर्चा करेंगे, आपको पीड़ा उठानी होंगी, अनुशासन में रहना है, वो कहता है वे तो मुरझानेवाले मुकुट को पाने के लिए करते हैं परन्तु हम उसके लिए जो मुरझाने का नही, इसलिए मैं तो इसी रीती से दौड़ता हूं परन्तु लक्ष्यहीन नही, मैं भी इसी रीती से मुक्कों से लड़ता हूं, परन्तु उस के समान नही जो हवा पिटता हुआ लड़ता है, परन्तु मैं अपनी देह को मारता

कुटता और वश में लाता हूं, जॉन शायद मरे साथ समहत होंगे, कि विश्वासियों को इस तरह से पढना चाहिए, मैं अपने शरीर को मारता, पौलुस कहता है मैं अपने शरीर को मारता और वश में लाता हूं ऐसा न हो कि ओरों को प्रचार करने मैं आप ही किसी रीती से निकम्मा ठहरू/

चलिए मैं आपको कुछ खास बातें बताऊ जिससे महान खिलाड़ी बनता है और एक महान विश्वासी भी बनता है, सबसे पहले तो अवश्य ही अनुशासन है, मैं पीड़ा उठाता हूं, क्या अपने अगस्त में फुटबाल फील्ड देखी है, ये लोग हेलमेट पहने हैं, और सारी चीज़े लिए हैं, और वो पसीना बहाते और आप खुद से कहते हैं, कौन इन्हें ऐसा करने की जबरदस्ती कर रहा है? और जवाब है कि कोई नही, वो इसे करना चाहते हैं, वो पार्टी का बलिदान करते हैं, मौके का बलिदान करते, और कईबार दुर्भाग्यवश अपनी पढाई का बलिदान करते हैं, क्यों? ये सब कि नाशमान मुकुट जीते, मैं अपनी बेटी की हाई स्कुलमें गया और वहां डिस्प्ले केस पर हर सारी ट्रॉफी थी, लेकिन वो नाश्मान हैं, वो हमेशा बने नही रहेंगे, याने अनुशासन है/

और साथ ही दिशा है, पौलुस कहता है कि मैं हवा में नही मारता, आप कही जा रहे हैं, जानते हैं, मेरी परवरिश खेत में हुई है, जॉन,ये कहानी है, ये सच्ची कहानी हैं, मैं जानता हूं कि ये सच है और मैं उस किसान को जानता हूं, वो बहुत ही सीधी जगह पर हल चलानेवाले थे, और उन्होंने क्या किया, एक चीज़ चुनी जिसे आधे मील की दुरी पर रखा और अपनी आँखें उस चीज़ पर लगाई, और ट्रेक्टर चलाते रहे, और सीधा उसकी और चलाते गए, उन्होंने सोचा ये अच्छा विचार है, लेकिन जब पीछे देखा, तो पाया कि लाइन मुड गई हैं, और कारण ये था क्योंकि वो करीब आने तक इसे नही जानता था, उसने अपनी आँखें एक भैस पर लगाईं और जैसे वो चल रही थी, वो भी अवश्य ही सिधाई से चुक गए/

अब मुझे गौर से सुनिए, जब तक कि हमारे मन में सही लक्ष्य न हो, यीशु की ओर देखते रहे जो हमारे विश्वास का कर्ता और सिद्धकर्ता है, जब तक हमारे पास सही लक्ष्य नही, हमारा जीवन टेढ़ा ही होगा, यदि हम सीधा जीवन चाहते हैं तो हमें कहना होगा कि हर कीमत पर, मुझे यीशु की ओर देखना होगा, जब परीक्षा आती, मुश्किलें आती हैं, तो मैं यीशु के बारे में और जानू और मैं उसी पर गौर करुँ, कि इस दौड़ को दौडू, तो हमने अनुशासन और दिशा के बारे में कहा है, निश्चित करना है कि हम मसीह पर गौर करते जाए और ठान ले/

याद है ये कहानी याने इब्रानियों में ये कहता है कि हम धीरज से वो दौड़ दौड़े जो हमारे सामने रखी है, और ये आगे कहता है कि हम न लडखडाए, और अपे पैरों को आज़ाद रखे, पाप जो आसानी से हमें फसाता है उससे दूर हो, याने कोई शायद कोट पहनकर दौड़ रहा हो, और उसके पैर बंधे हो, पाप हमारे साथ रही कर सकता है,

और जब हम फिसलकर गिर जाते हैं तो निश्चित करना है कि हम अपने साथ दूसरों को नही गिरा रहे हैं, सच्चाई तो ये है कि जब हम गिरते हैं तो दूसरों को भी अपने साथ लेकर गिरते हैं, इसलिए जॉन जब हम दौड़ते हैं और गिरे हुए विश्वासियों को देखते हैं, तो हमें उनके नीचे आना चाहिए, पौलुस कहता है, इब्रानियों में कहता है की कमजोर घुटनेवालों की मदत करो/ आइए अंतिम रेखा तक एक दुसरे की मदत करते जाए, और अवश्य ही हमें ये कहना होगा कि हमें दौडना होगा, नियम के अनुसार, मैं बेन जॉनसन का उदाहरण देखता हूं, जो अच्छे से दौड़े हैं और उनके पास गोल्ड मेडल भी है, शायद कुछ साल पहले की बात याद होंगी, लेकिन वो ज्यादा समय नही रहा क्योंकि उनके शरीर में नशे के तत्व मिले हैं, तो दौड़ को नियम के अनुसार दौड़े, और पौलुस ये कहता है कि मै इसे करता हूं कि अयोग्य न हो जाऊ/

हमने इस प्रोग्राम की सीरिज में बहुत कुछ कहा है, कि आप जान ले कि मैं विश्वास करता हूं कि कोई बहुत कुछ खो सकता है जब वो मसीह के सामने खड़े होंगे, और मैं सोचता हूं जॉन कि प्रेरित पौलुस सोचता है कि वो अयोग्य हो सकता है, इसका ये अर्थ नही कि वो स्वर्ग में नही जाएगा, लेकिन उसे अच्छा प्रतिफल नही मिलेगा, अब सोचिए कि इसका क्या अर्थ है, अनुशासित हो, सुबह 9 बजे के पहले परमेश्वर के साथ समय बिताइए, वचन में प्रार्थना में, अपना दिन प्रभू को दे, क्योंकि उस दिन के लिए आपको प्रभू को लेखा देना होगा, हमारे अंदर इस तरह से ठान लेना है, कि हमारे जीवन का कमान पूरी तरह से उसे दी जानी चाहिए/

तो आज मैं आप से ये सवाल पूछता हूं, एक पल के लिए सोचिए, 20 साल के बाद आप क्या सोचेगे कि आज आपको क्या करना चाहिए था, अपने दिल से कहता हूं, इसे अभी कीजिए, अभी कीजिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब एक आखरी वचन, ये सारी बातें कि किसी दिन आप परमेश्वर के सामने खड़े होंगे, ये आपको निराश करता है, ऐसा न हो, आप वो हो सकते हैं जिसका इंतजार कर रहे हैं, यदि आप परमेश्वर का शुभ-संदेश जानते हैं, सुसमाचार, इसे सुनिए, इससे आपका दिल आनंद से भर जाएगा/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, इसके बारे में बिलकुल स्पष्ट हो जाए, हमारे दर्शक जिन्होंने कभी यीशु को उद्धार नही माना है, आप अपने पापों के अंगीकार के द्वारा शुरू भी नही कर सकते हैं, सब याद नही कर सकते हैं, और यदि इसे कर भी दे तो उद्धार नही पा सकते, जैसे आप अपने पापों के साथ है लेकिन यीशु मसीह को

उद्धारकर्ता स्वीकार किया है, आप विश्वास से उसे प्रतिउत्तर दे और उस पर भरोसा करे, तो आपको नैतिक रूप में क्षमा किया गया/

अब विश्वासी के नाते हमें अपने पापों का अंगीकार करना है, ये तरीका है जिसके द्वारा पिता हमारे भटके के कारण अनुशासित करता है, और हाँ हमें उन सब पापों का अंगीकार करना है जो परमेश्वर हमें याद दिलाता है, खुश-खबर ये है कि जिन पापों को हम याद नही कर पाते हैं, उन्हें भी याद किए गए पापों के अंगीकार के साथ क्षमा किया जाता है/

पहला युहन्ना में ये कहता है, यदि हम ज्योति में चले जैसे प्रभू ज्योति है, तो हम एक दुसरे से संगती करते हैं, मैं कहता हूं कि हम परमेश्वर के साथ संगती करते हैं और परमेश्वर हमारे साथ संगती करता है, और फिर ये कहता है कि परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह का लहू, हमें सारे पापों से शुद्ध करता है, हमें पवित्र आत्मा से माँगना है कि हमें किन पापों का अंगीकार करना है, यदि हम उससे निपट ले तो जो हमें याद नही उससे भी निपट लेते हैं, प्रभू हमें अनुशासित करता है, वो चाहता है कि उसके साथ समहत हो जाए, यदि हम सहमती से बाहर है तो वो चाहता है कि हम समहति में आए, अंगीकार इसी के बारे में हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं जॉन, मुझे बताया गया कि कैलिफोर्निया में, किसी को रफ्तार से चलाने के लिए पकड़ा गया, उन्हें कोर्ट में लाया गया और चुकाने के लिए कुछ पैसे नही थे, और कहानी ऐसी है कि जज वहां से उठे और सीढियों से नीचे आए, अपना कोट निकाला और दोषी के साथ खड़े हुए, और खुद की जेब से 100 डॉलर निकालकार उसे टेबल पर रखकर चुकाया, वापस गए और अपना कोट पहना और फिर बेंच पर गए, और सौ डॉलर उठाकर दोषी से खा, तुम आज़ाद हो, तुम्हारा दण्ड चुकाया गया है/

मेरे दोस्तों यही शुभ-सन्देश है, सुसमाचार है, हम जो भी चूका सकते थे उससे भी ज्यादा हमें परमेश्वर को चूकाना था, जैसे ये गीत के शब्द कहते हैं, क्या मेरे आंसूं हमेशा बह सकते हैं? क्या मेरी जिज्ञासा खत्म नही होंगी, पापों का प्रायश्चित नही होगा, केवल तुझे और तुझे ही उद्धार देना है/

मैं अपने हाथों में कुछ नही लाता, केवल तेरे क्रूस को थामे रहता हूं, हम सामने कुछ नही लाते, बस अपनी बड़ी जरूरत लाते हैं, हम इसे पाते हैं, हम यीशु मसीह की धार्मिकता को पाते हैं, कि हम सदा प्रभू की उपस्थिति में खड़े रह सके/ अब मैं उन से नही कह रहा हूं जो मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होंगे, हमने इसके बारे में

कहा है, उनसे कहता हूं जो मसीह के महान श्वेत सिंहासन के सामने आएगे, जब तक कि मसीह के उद्धार में न आ जाए/

आप कहेंगे पास्टर लुथजर मैं ये कैसे कर सकता हूं? मैं यही करूंगा, मैं प्रार्थना करूंगा, और मैं चाहता हूं कि आप अपने दिल में ये प्रार्थना कीजिए, ये प्रार्थना को उद्धार नही देगी, लेकिन विश्वास करना है, याने ये प्रार्थना है की आप अपने पापों को मानते हैं, और खुद को उद्धार देने में आप खुद लायक नही है, आप असाह्य हैं, ये प्रार्थना तो ये मानना है कि जब यीशु क्रूस पर मरा तो वो पापियों के लिए मरा, कि हमें परमेश्वर से मिलाए, इसलिए अब आप उसे अपना पाप उठानेवाला स्वीकार करें, क्या आप ये करना चाहते हैं?

आइए प्रार्थना करते हैं, पिता मैं यीशु के नाम में बिनती करता हूं कि तू प्रोग्राम देखनेवाले सब लोगों से बात कर, जिन्होंने यीशु मसीह में अपना विश्वास नही लाया है, मदत कर पिता की वो तुम पर विश्वास करे, क्योंकि जैसे तेरा वचन कहता है कि जितनों ने उसे ग्रहण किया उन्हें उसने परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार किया है, उन्हें जो उसके नाम पर विशवास करते हैं, पिता प्रोग्राम में देखनेवाले दर्शक को विश्वास करने दे, और पिता इनके विश्वास के बाद, इन्हें विश्वास की पूरी शाश्वती में ला/

अब मैं आप से ये सवाल पूछता हूं, क्या पाने ये प्रार्थना की है? प्यारे प्रभू, मैं जानता हूं कि मैं एक पापी हूं, मैं खुद को नही बचा सकता, मैं जानता हूं, आप उससे ये कहे, अभी इसी पल जो उसने मेरे लिए किया उसे मैं थामता हूं, आप उससे ये कहें, जो उस पर विश्वास करता है, वो दोषी नही है, जो विश्वास नही करता वो पहले ही दोषी ठहर चूका है, क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र पर विश्वास नही किया, आप इस प्रतिज्ञा पर विश्वास कर सकते हैं/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ऋच्ड़क्ष्